vinetur

अध्ययन : 50 वर्ष से कम उम्र के कनाडाई रोज़ाना शराब पीने की तुलना में अधिक रोज़ कैनबिस का सेवन करते हैं

करीब 100,000 सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण बताता है कि वैधीकरण के बाद से युवा वयस्कों में नियमित कैनबिस सेवन आम हो गया है

सोमवार, 23 नवंबर 2026



CMAJ में प्रकाशित एक सर्वेक्षण विश्लेषण के मुताबिक, 50 वर्ष से कम उम्र के कनाडाई लोगों में रोज़ाना कैनबिस का सेवन करने वालों की संख्या रोज़ शराब पीने वालों से अधिक हो गई है। यह विश्लेषण 2023 और 2024 में करीब 100,000 लोगों से जुटाई गई प्रतिक्रियाओं पर आधारित था।

यह बदलाव उस देश में नशीले पदार्थों के सेवन के चलन में एक उल्लेखनीय परिवर्तन है, जहां रोज़मर्रा के जीवन में शराब लंबे समय से कैनबिस की तुलना में अधिक आम रही है। शोधकर्ताओं ने पाया कि 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में रोज़ कैनबिस का सेवन, रोज़ शराब पीने से अधिक आम था। अध्ययन ने यह निष्कर्ष नहीं निकाला कि लोग सीधे तौर पर शराब

की जगह कैनबिस ले रहे हैं और न ही दोनों व्यवहारों के बीच कारण-परिणाम का संबंध स्थापित किया।

यह विश्लेषण कनाडा भर से जुटाए गए हालिया सर्वेक्षण आंकड़ों पर आधारित था, जिससे शोधकर्ताओं को यह जानने का व्यापक आधार मिला कि वयस्क कितनी बार कैनबिस और शराब के सेवन की जानकारी देते हैं। नतीजे रोज़ाना सेवन की आदतों में पीढ़ीगत अंतर की ओर इशारा करते हैं: युवा और अधेड़ उम्र के वयस्कों का पैटर्न कनाडा के बुज़ुर्गों से अलग है। शराब का सेवन अब भी व्यापक है, लेकिन अध्ययन के मुताबिक 50 वर्ष से कम उम्र के कई वयस्कों में रोज़ाना कैनबिस का सेवन अब रोज़ शराब पीने से अधिक प्रचलित है।

इस बदलाव का सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्व है और यह इस बात को प्रभावित कर सकता है कि अधिकारी सेवन के पैटर्न की व्याख्या कैसे करें, हालांकि इस सर्वेक्षण ने सेवन की मात्रा या नैदानिक परिणामों को नहीं मापा। शोधकर्ताओं ने कहा कि नतीजों को इस बात का प्रमाण नहीं मानना चाहिए कि कैनबिस सरल रूप से शराब की जगह ले रहा है। इसके बजाय, आंकड़े दिखाते हैं कि आबादी के एक बड़े हिस्से में नियमित कैनबिस सेवन अधिक आम हो गया है और अब उस आयु वर्ग में रोज़ाना शराब पीने से आगे निकल गया है।

यह अध्ययन उन बढ़ते प्रमाणों में शामिल है जो दिखाते हैं कि वैधीकरण के बाद से कुछ कनाडाई लोगों के जीवन में कैनबिस अधिक नियमित हिस्सा बन गया है। हालांकि, लेखकों ने सर्वेक्षण से क्या पता चल सकता है और क्या नहीं, इस बारे में सावधानी बरती। चूंकि विश्लेषण किसी एक समय पर जुटाई गई स्व-रिपोर्ट की गई प्रतिक्रियाओं पर आधारित था, इसलिए इससे यह तय नहीं किया जा सकता कि एक पदार्थ के कारण दूसरे का सेवन घटा या व्यापक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव एक साथ दोनों आदतों को बदल रहे हैं।

इन नतीजों का महत्व सार्वजनिक स्वास्थ्य से परे भी है। ब्रुअरी, वाइनरी, डिस्टिलरी, बार और पेय कारोबार से जुड़े अन्य व्यवसायों के लिए ये नतीजे एक और संकेत हो सकते हैं कि युवा वयस्कों के सेवन के पैटर्न बदल रहे हैं, जिससे मादक पेयों की दीर्घकालीन मांग प्रभावित हो सकती है। इसका यह अर्थ नहीं है कि कैनबिस निश्चित रूप से बीयर, वाइन या स्पिरिट्स की बिक्री छीन रहा है ; अध्ययन ऐसा दावा नहीं करता। लेकिन यह रोज़मर्रा के व्यवहार में ऐसे बदलाव की ओर इशारा करता है, जिस पर उत्पादक और खुदरा विक्रेता संभवत: कड़ी नज़र रखेंगे, क्योंकि वे यह समझने की कोशिश करेंगे कि युवा उपभोक्ता कानूनी नशीले पदार्थों में से किसे चुनते हैं।

कनाडा में, जहां प्रांतीय नियमों के अधीन वयस्कों के लिए शराब और कैनबिस दोनों कानूनी हैं, नीति-निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उपलब्धता, सामाजिक स्वीकार्यता और कीमत सेवन के पैटर्न को कैसे आकार देते हैं। 50 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों में कैनबिस का अधिक नियमित सेवन रोकथाम, शिक्षा और उपचार से जुड़ी चर्चाओं को प्रभावित कर सकता है—खासकर अगर नियमित सेवन उसी तरह सामान्य हो जाए, जैसे कुछ परिस्थितियों में कभी रोज़ शराब पीना सामान्य था।

सर्वेक्षण का बड़ा नमूना इसे मौजूदा व्यवहार की झलक के तौर पर अधिक उपयोगी बनाता है, लेकिन इसकी सीमाएं भी हैं। पदार्थों के स्व-रिपोर्ट किए गए सेवन की मात्रा कम बताई जा सकती है या उसका गलत विवरण दिया जा सकता है। सर्वेक्षण के आंकड़ों में सेवन की मात्रा, उत्पाद की तीव्रता या सेवन की परिस्थितियों जैसे अहम पहलू भी हमेशा दर्ज नहीं होते। सेवन के अलग-अलग पैटर्न का अधिक सटीक आकलन करने के लिए ऐसे विवरण ज़रूरी होते।

इन सावधानियों के बावजूद, नतीजे दिखाते हैं कि उपभोक्ताओं की आदतें कितनी तेज़ी से बदल सकती हैं। नीति-निर्माताओं और स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए रोज़ाना कैनबिस सेवन में बढ़ोतरी, स्व-रिपोर्ट किए गए सेवन पैटर्न में बदलाव पर अधिक करीबी नज़र रखने का कारण बन सकती है। शराब उद्योग के लिए यह संकेत हो सकता है कि भविष्य की वृद्धि को केवल शराब पीने के पारंपरिक रुझानों के आधार पर नहीं समझा जा सकता। शोधकर्ताओं के लिए यह अध्ययन आगे जांच की ज़रूरत बताता है कि कैनबिस सेवन में बढ़ोतरी शराब पीने में कमी के साथ हो रही है, उससे अलग है या कनाडाई लोगों के नशीले पदार्थों के सेवन के तौर-तरीकों में अन्य बदलावों के साथ जुड़ी है।